NEWSLETTER

शनिवार, 27 अप्रैल 2024 | वॉल्यूम - 95

Interview | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

GOLD : 71486
SILVER : 82502
CRUDE OIL : 7002

कपास में नई फसल प्रबंधन पद्धतियाँ

वर्षा लोखंडे
कृषि अनुसंधान अभ्यार्थी

कपास विश्व की प्रमुख रेशे वाली फसल है। यह कपड़ा उद्योगों को बुनियादी कच्चा माल (कपास फाइबर) प्रदान करता है और दुनिया के आर्थिक और सामाजिक मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत में, कपास सबसे महत्वपूर्ण व्यावसायिक फसलों में से एक है और कुल वैश्विक कपास उत्पादन का लगभग 25% हिस्सा है, यह अनुमानित 6 मिलियन कपास किसानों और 40-50 मिलियन जुड़े लोगों की लोगों की आजीविका को बनाए रखने में प्रमुख भूमिका निभाता है। जैसे कपास प्रसंस्करण और व्यापार।

हाला की भारत कपास का एक प्रमुख प्रदाता है, लेकिन चीन, अमेरिका और ब्राजील जैसे अन्य शीर्ष कपास उत्पादकों की तुलना में औसत उत्पादकता बहुत कम है। इसके लिए कई कारक जिम्मेदार हैं जैसे, मौसम की स्थिति, अपर्याप्त सिंचाई सुविधाएं, बीजों की खराब गुणवत्ता, सरकारी नीतियां और बाजार की ताकतें आदि। इसके अलावा, कृषि पद्धतियों में कमी और सावधानी तथा उर्वरकों और कीटनाशकों का अनुचित उपयोग भी उतना ही महत्वपूर्ण है। भारत में कपास की उत्पादकता मिट्टी एक प्राथमिक संसाधन आधार है और कम कार्बनिक पदार्थ, पोषक तत्वों की कमी और रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के भारी उपयोग के कारण इसका स्वास्थ्य और उर्वरता बिगड़ रही है। कपास किसान ज्यादातर उर्वरकों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, मिट्टी में केवल नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम जैसे प्रमुख पोषक तत्वों को लागू करते हैं, लेकिन अन्य आवश्यक पोषक तत्वों पर विचार नहीं करते हैं, जो समग्र फसल वृद्धि और विकास के लिए भी आवश्यक हैं। चूंकि, कपास की पैदावार को अधिकतम करने और फाइबर की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए खनिज पोषक तत्वों और जैव-उत्तेजक का असफल अनुप्रयोग एक महत्वपूर्ण फसल प्रबंधन रणनीति है, कपास उत्पादकों को पोषक तत्वों की खराब उपलब्धता के कारण कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। है। अर्थात्, कपास की खेती में खराब पोषण प्रबंधन से निम्नलि-:खित समस्याएं हो सकती हैं

खराब जड़ विकास : "खराब जड़ विकास" उस स्थिति को संदर्भित करता है जहां पौधे की जड़ें ठीक से बढ़ने या विकसित होने में विफल हो जाती हैं। यह विभिन्न कारणों से हो सकता है जैसे अपर्याप्त पानी, खराब मिट्टी की गुणवत्ता, पोषक तत्वों की कमी, बीमारियाँ या पर्यावरणीय तनाव।

असमान एवं अवरुद्ध फसल वृद्धि : "समान और नियंत्रित फसल वृद्धि" का अर्थ है कि किसान अपनी फसलों को समान और नियंत्रित मापदंडों के साथ उगाने के लिए विभिन्न तकनीकों और सामग्रियों का उपयोग कर रहे हैं। इसके उदाहरणों में शामिल हैं: उन्नत बीज, प्रभावी जल संचयन, कृषि मशीनरी का उपयोग, उर्वरकों का समय पर और सही अनुप्रयोग, और उचित कीटनाशकों और उर्वरकों का उपयोग।

फूल गिर जाने की समस्या : इन समस्याओं के समाधान के लिए यह जरूरी है कि पौधों को ठीक से पानी दिया जाए, अच्छी देखभाल की जाए और उचित खाद दी जाए। यदि समस्या गंभीर है तो स्थानीय कृषि विशेषज्ञ से सलाह लेना उचित हो सकता है।

पत्तियाँ लाल हो जाती हैं : पत्तियों का लाल होना विभिन्न स्थितियों का संकेत हो सकता है और इसके कई कारण हो सकते हैं।

पोषण की कमी: पौधों को उचित मात्रा में पोषण न मिलने के कारण पत्तियों का लाल होना हो सकता है। इसका कारण उत्पादन के लिए आवश्यक पोषण तत्वों की कमी हो सकता है।फसलों के अनुचित पोषण के कारण मृदा स्वास्थ्य और फसल उत्पादकता में कमी।

फाइबर की गुणवत्ता : खराब फाइबर गुणवत्ता को संबोधित करने के लिए उचित फसल प्रबंधन प्रथाओं को लागू करना शामिल हो सकता है, जिसमें उपयुक्त किस्मों का चयन करना, बढ़ती परिस्थितियों को अनुकूलित करना, कीटों और बीमारियों को नियंत्रित करना, पर्याप्त पोषण प्रदान करना और उचित कटाई और प्रसंस्करण तकनीकों का उपयोग करना शामिल है। कृषि विशेषज्ञों या विस्तार सेवाओं से परामर्श करने से फसलों में फाइबर की गुणवत्ता में सुधार के लिए मूल्यवान मार्गदर्शन भी मिल सकता है।

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

कॉटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775 WEEKLY CHART 27.04.2024			
ICE COTTON			
MONTH	19.04.24	26.04.24	WEEKLY CHANGE
JULY	81.02	80.90	-0.12
DEC	77.55	77.31	-0.24
MCX (COTTON)			
MAY	57900	58340	440
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1435	1445.5	10.5
NCDEX (COCUD KHAL)			
MAY	2560	2562	2
JUNE	2589	2585	-4
SMART INFO SERVICE	CALL : 91119 77775		
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.47	83.37	-0.1
PAK (Pakistani Rupee)	278.541	278.579	0.038
CNY (Chinese yuan)	7.23965	7.24638	0.00673
BRAZIL (Real)	5.20297	5.11616	-0.08681
AUSTRALIAN Dollar	1.55826	1.53069	-0.02757
MALAYSIAN RINGGITS	4.78326	4.76797	-0.01529
COTLOOK "A" INDEX	87.35	87.80	0.45
BRAZIL COTTON INDEX	75.97	77.64	1.67
USDA SPOT RATE	72.77	72.65	-0.12
MCX SPOT RATE	57920	58240	320
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	20800	20300	-500
GOLD ($)	2406.75	2349.60	-57.15
SILVER ($)	28.747	27.380	-1.367
CRUDE ($)	83.25	83.66	0.41

इस सप्ताह, रुई बाजार में स्थिरता देखि गई।

इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज के जुलाई एवं दिसंबर के लिए कॉटन के भाव 0.12 एवं 0.24 सेंट तक गिरे।

भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर कॉटन के दाम में मई माह के लिए 440 रुपऐ की बढ़त देखी गई।

एनसीडीइएक्स पर कपास के भाव 10.50 रूपए प्रति 20 किलो तक बढ़े, वहीं खल के भाव में मई माह में 2 रुपए की बढ़त वही जून माह में 4 रुपए प्रति क्विंटल तक की गिरावट दर्ज की गई |

अन्य देशों के कॉटन मार्केट पर नजर करें तो कॉटलुक "ए" इंडेक्स में बढ़त देखी गई , यूएसडीए स्पॉट रेट भी 0.12 सेंट गिरे साथ ही एमसीएक्स स्पॉट 320 रुपए प्रति कैंडी भाव में बढ़त रही, वही ब्राजील कॉटन इंडेक्स पर 1.67 अंक की बढ़त दर्ज की गई है।

देश भर के प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में इस सप्ताह कपास की आवक

SMART INFO SERVICES ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL CALL : 91119 77775						
STATE	22.04.24	23.04.24	24.04.24	25.04.24	26.04.24	27.04.24
PUNJAB	100	100	100	100	100	100
HARYANA	1,000	1,000	1,000	1,000	800	800
UPPER RAJASTHAN	800	800	800	800	800	500
LOWER RAJASTHAN	500	500	500	500	500	400
NORTH ZONE	2,400	2,400	2,400	2,400	2,200	1,800
GUJRAT	11,000	800	9,000	10,000	8,000	8,000
MADHYA PRADESH	3,000	2,000	3,000	3,000	3,000	3,000
MAHARASHTRA	20,000	15,000	15,000	20,000	15,000	15,000
CENTRAL ZONE	34,000	17,800	27,000	33,000	26,000	26,000
KARNATAKA	2,000	1,000	1,000	1,500	1,500	1,500
ANDHRA PRADESH	800	800	800	800	700	600
TELANGANA	400	400	400	400	300	300
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	3,200	2,200	2,200	2,700	2,500	2,400
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	39,600	22,400	31,600	38,100	30,700	30,200
ARRIVAL IN 170 Kg.						

दादी-नानी का नुस्खा

अमृत धारा

रोग अनेक उपचार एक

हमारे पूर्वजों ने अपने अनुभवों से अनेक विलक्षण खोज की एवं उसे अपने जीवन में शामिल कर स्वस्थ जीवन को अपनाया। ऐसा ही एक अद्‌भूत सूत्र जो अमृत समान है वह है अमृत धारा। अमृत धारा के इस अमूल्य अनुभव को पुनः अपनाकर असीमित लाभ प्राप्त करें।

आयुर्वेद के अनुसार शरीर में रोग के 3 कारण होते हैं : वात, कफ और पित्त। यदि यह तीनों नियंत्रित हैं तो शरीर स्वस्थ। अमृत धारा के सेवन से ये तीनों नियंत्रित रहते हैं और अनेक रोग दूर होते हैं। अमृत धारा का उपयोग हर मौसम में हर आयु वर्ग में किया जाता है।

उपयोग

- मात्रा : 1 - 3 बूंद
- खुराक : दिन में 1 से 4 बार आवश्यकता अनुसार
- सामान्य पानी में : डिप्रेशन, सिरदर्द, माइग्रेन, बुखार, लू लगना, गर्मी चढ़ना, घबराहट, बेचैनी, अनिद्रा, सफर में उल्टी, माहवारी की समस्याऐं।
- गरम पानी में : खांसी, सर्दी, वजन घटाना (परहेज के साथ)
- मीठे पताशे या शक्कर में : पेटदर्द, उल्टी, दस्त, गैस, एसिडिटी, अपच

कृ.प.उ.

- हल्की मालिश करना (तेल में मिलाकर) : खाँसी, सर्दी, सिरदर्द, माईग्रेन, डेन्ड्रफ, जूँ, पेट दर्द, साईटिका, गठिया, जोड़ों का दर्द, चोंट, सूजन, कीड़े–मधुमक्खी काटना, हड्‌डी एवं मांसपेशियों का दर्द, मच्छर से बचाव।
- भाप लेना / सुंघना : खांसी, सर्दी, साईनस, छाती के रोग, अनिद्रा, स्वाईन फ्लू एवं अन्य फ्लू से बचाव।
- ब्रश करना : मुंह की बदबु व दांतों की सड़न दूर कर चमक लाता है।

उक्त सभी परीक्षित लाभ हैं, स्वस्थ आहार विहार के साथ आवश्यकता अनुसार स्वविवेक से लाभ लेवें। लाभ होने पर स्वयं निर्माण कर ही उपयोग करें एवं अन्य को भी लाभान्वित करें।

अमृतधारा के आसान उपयोग के लिये खाने के लिए शक्कर एवं लगाने के लिए तेल में मिलाकर हमेशा घर में रखें।

निर्माण सामग्री एवं विधि–

1. पोदीना (पीपरमेंट), 2. अजवाईन का फूल, 3. भीमसेनी कपूर तीनों सामग्री को बराबर मात्रा में कांच की शीशी में डालकर धूप में रख दें। एक दिन में यह मिश्रण स्वतः ही द्रव्य में परिवर्तित हो जायेगा। हो गया स्वस्थ रहने का अचूक नुस्खा तैयार।

अमृतधारा निःशुल्क प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें :

मोहन मोदी – 94253 – 53954

2023-24 सीज़न में भारत के कपास निर्यात में वृद्धि

भारत ने 2023-24 सीज़न के पहले छह महीनों के दौरान कपास निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है, पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में आंकड़े 137% बढ़ गए हैं। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर से मार्च तक निर्यात पहले के 7.59 लाख गांठ से बढ़कर 18 लाख गांठ हो गया। इस वृद्धि को काफी हद तक वैश्विक दरों के सापेक्ष भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

भारत के कपास निर्यात में वृद्धि की मुख्य विशेषताएं

अक्टूबर-मार्च अवधि के दौरान प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण के कारण, भारतीय कपास की कीमत अंतरराष्ट्रीय कीमतों की तुलना में 3,000-4,000 रुपये प्रति कैंडी कम थी, जिससे यह विदेशी खरीदारों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन गया।

वैश्विक मूल्य रुझान कॉटलुक इंडेक्स के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय कपास की कीमतें हाल ही में कम हो गई हैं, जिससे वे भारतीय कीमतों के बराबर या उससे थोड़ी अधिक हो गई हैं। यह समायोजन आगे चलकर भारतीय कपास की प्रतिस्पर्धात्मकता को प्रभावित कर सकता है।

निर्यात अनुमान सीएआई का अनुमान है कि सितंबर में समाप्त होने वाले 2023-24 सीज़न के लिए कपास का निर्यात 22 लाख गांठ से अधिक हो सकता है। इस पूर्वानुमान के समायोजन पर जून में राष्ट्रीय फसल समिति की बैठक के दौरान विचार किया जाएगा, जो हालिया शिपमेंट डेटा और हितधारक इनपुट की समीक्षा करेगी।

मांग की गतिशीलता और बाज़ार की हलचल

मजबूत मांग भारतीय कपास की मजबूत मांग बनी हुई है, खासकर बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों के खरीदारों से, जो प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण और तेजी से वितरण समय के कारण भारतीय कपास को पसंद करते हैं।

बाजार गतिविधि लुई ड्रेफस कंपनी, विटर्रा और ओलम जैसी प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारतीय बाजार में सक्रिय रही हैं और गतिशील व्यापार माहौल में योगदान दे रही हैं।

कीमतों में उतार-चढ़ाव कॉटन वायदा, जो मार्च में इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज (आईसीई) पर 102 सेंट प्रति पाउंड के शिखर पर था, तब से घटकर लगभग 80 सेंट रह गया है। इसके अनुरूप, भारत में घरेलू कीमतें ₹61,000 प्रति कैंडी से गिरकर लगभग ₹58,000 हो गई हैं।

घरेलू बाज़ार और आपूर्ति श्रृंखला

आपूर्ति का अनुमान है कि मार्च 2024 के अंत तक भारत में कुल कपास आपूर्ति 297.03 लाख गांठ होने का अनुमान लगाया गया था, जिसमें बाजार में आवक, आयात और शुरुआती स्टॉक शामिल हैं।

खपत में वृद्धि कपास की घरेलू खपत बढ़ रही है, मार्च के अंत तक खपत 165 लाख गांठ होने का अनुमान है, जो पिछले महीने की 135.70 लाख गांठ से अधिक है।

मार्च 2024 तक स्टॉक और आपूर्ति, स्टॉक 114 लाख गांठ होने का अनुमान लगाया गया था, जिसमें 47 लाख गांठें कपड़ा मिलों के पास थीं और शेष भारतीय कपास निगम सहित विभिन्न संगठनों के पास थीं।

आशय

भारत के कपास निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि वैश्विक कपास बाजार में देश की बढ़ती भूमिका को उजागर करती है। प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण रणनीति अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को आकर्षित करने में प्रभावी साबित हुई है। हालाँकि, घरेलू कीमतों का वैश्विक दरों के साथ तालमेल इस विकास पथ को बनाए रखने में चुनौतियाँ पैदा कर सकता है।

इसके अलावा, सीएआई की जून की बैठक में अपेक्षित चर्चा और संभावित समायोजन भविष्य की रणनीति तय करने के लिए महत्वपूर्ण होंगे। जैसे-जैसे घरेलू खपत बढ़ती है, निर्यात मांगों के साथ घरेलू जरूरतों को संतुलित करना महत्वपूर्ण होगा। अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारतीय कपास का प्रदर्शन निरंतर रणनीतिक मूल्य निर्धारण, गुणवत्ता में सुधार और प्रभावी आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन पर निर्भर करेगा।

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

मध्य प्रदेश में कपास की कमी के चलते जिनिंग इकाइयों ने संचालन घटाया

मध्य प्रदेश में जिनिंग इकाइयां वर्तमान में सप्ताह में केवल 2 से 3 दिन ही चल रही हैं, क्योंकि सीजन के अंत में कपास की आवक कम हो गई है। परिचालन के दिनों और क्षमता में यह कमी, जिनिंग इकाइयों में केवल 5-10 प्रतिशत काम होने से, कपास उद्योग में मौसमी गिरावट का संकेत है। इस मंदी के बावजूद, कपड़ा मिलों की ओर से लगातार मांग बनी हुई है, जो मुख्य रूप से अपने मौजूदा स्टॉक का उपयोग कर रही हैं।

चीन और वियतनाम में उल्लेखनीय लाभ के साथ अमेरिकी कपास निर्यात बढ़ा: यूएसडीए

2023-24 के लिए अपलैंड की अमेरिकी कपास की शुद्ध निर्यात बिक्री, कुल 177,100 आरबी (रनिंग गांठें, प्रत्येक का वजन 226.8 किलोग्राम या 500 पाउंड) थी, जो पिछले सप्ताह से 21 प्रतिशत अधिक थी और पिछले चार-सप्ताह के औसत से 73 प्रतिशत अधिक थी।

खानदेश में कपास की खेती के रुझान में गिरावट जारी है

खानदेश की खबर लगातार दूसरे वर्ष कपास की खेती में संभावित कमी का संकेत देती है, अनुमान के अनुसार कुल खेती क्षेत्र 8 लाख 30 हजार हेक्टेयर है। जलगांव जिले को राज्य के भीतर कपास की खेती में अपनी बढ़त बनाए रखने की उम्मीद है, इस साल लगभग साढ़े पांच लाख हेक्टेयर भूमि कपास के लिए समर्पित है।

अक्टूबर-मार्च 2023-24 सीज़न में भारत का कपास निर्यात 137% बढ़कर 18 लाख गांठ हो गया

अक्टूबर से शुरू होने वाले सीजन 2023-24 के पहले छह महीनों में भारत का कपास निर्यात दोगुना से अधिक हो गया है, क्योंकि कीमतें विदेशी खरीदारों के लिए प्रतिस्पर्धी हो गई हैं।

सरकार निर्यात बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देना चाहती है

एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि वाणिज्य मंत्रालय ने 2030 तक 1 ट्रिलियन डॉलर के व्यापारिक निर्यात का लक्ष्य निर्धारित करने के बाद, देश के निर्यात बुनियादी ढांचे के लिए आवश्यक निवेश की पहचान और अनुमान लगाने की कवायद शुरू कर दी है।

कॉटन फिजिकल मार्केट में उतार-चढ़ाव वाला माहौल

इस सप्ताह, रुई बाजार में उतार-चढ़ाव वाला माहौल देखा गया।

नार्थ झोन के पंजाब राज्य में रही स्थिरता, हरयाणा और अपर राजस्थान राज्य में 25 रुपए प्रति मंड की गिरावट देखीं गई।

सेंट्रल झोन के मध्य प्रदेश में 100 रुपय प्रति कैंडी की बढ़त रही, जबकि महाराष्ट्र और गुजरात राज्य में रही स्थिरता।

साउथ झोन के ओडिशा राज्य में 500 रुपए प्रति कैंडी की गिरावट रही, जबकि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में रही स्थिरता। कर्णाटक राज्य में 300 रुपए प्रति कैंडी की बढ़त देखीं गई।

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 27.04.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	22.04.24		27.04.24		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,825	5,850	5,825	5,850	0
HARYANA	27.5/28	5,750	5,750	5,725	5,725	-25
UPPER RAJASTHAN	28	5,550	5,850	5,500	5,825	-25
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	57,500	58,000	57,700	58,000	0
MADHYA PRADESH	29	57,800	58,200	58,000	58,300	100
MAHARASHTRA	29+ vid.	58,300	58,500	58,300	58,500	0
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	60,500	60,600	60,000	60,100	-500
KARNATAKA	29 mm	58,500	58,700	58,500	59,000	300
ANDHRA PRADESH	29	58,700	60,000	58,700	60,000	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	58,500	59,500	58,500	59,500	0

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy

NEWSLETTER

Saturday, 27 April2024 | Volume- 95

Interview | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

New crop management practices in cotton

GOLD : 71486
SILVER : 82502
CRUDE OIL : 7002

New crop management practices in cotton

Varsha Lokhande
Agricultural Research Candidate

Cotton is the world's major fiber crop. It provides basic raw material (cotton fiber) to textile industries and plays an important role in the economic and social affairs of the world. In India, cotton is one of the most important commercial crops and accounts for about 25% of the total global cotton production, it plays a major role in sustaining the livelihood of an estimated 6 million cotton farmers and 40-50 million associated people. Like cotton processing and trading.

Although India is a major provider of cotton, the average productivity is very low compared to other top cotton producers such as China, US and Brazil. Many factors are responsible for this like weather conditions, inadequate irrigation facilities, poor quality of seeds, government policies and market forces etc. Apart from this, lack of care and caution in agricultural practices and improper use of fertilizers and pesticides are also equally important. Productivity of Cotton in India Soil is a primary resource base and its health and fertility is deteriorating due to low organic matter, nutrient deficiencies and heavy use of chemical fertilizers and pesticides. Cotton farmers mostly focus on fertilizers, applying only key nutrients like nitrogen, phosphorus and potassium to the soil, but do not consider other essential nutrients, which are also essential for overall crop growth and development. Since, unsuccessful application of mineral nutrients and bio-stimulants is an important crop management strategy to maximize cotton yield and improve fiber quality, cotton growers face many problems due to poor availability of nutrients. That is, poor nutrition management in cotton cultivation can lead to the following problems:

Poor root development: “Poor root development” refers to a condition where a plant's roots fail to grow or develop properly. This can happen due to various reasons such as insufficient water, poor soil quality, lack of nutrients, diases or environmental stress.

Uneven and controlled crop growth: “Uneven and controlled crop growth” means that farmers are using different techniques and materials to grow their crops with uniform and controlled parameters. Examples of this include: improved seeds, effective water harvesting, use of agricultural machinery, timely and correct application of fertilizers, and use of appropriate pesticides and fertilizers.

Problem of flower falling: To solve these problems, it is important that the plants are watered properly, taken good care of and given proper fertilizer. If the problem is serious, it may be appropriate to seek advice from a local agricultural expert.

Leaves turn red: Leaves turning red can be a sign of various conditions and can have many causes.

Lack of nutrition: Redness of leaves may occur due to plants not getting proper amount of nutrition. This could be due to lack of nutrients required for production. Decrease in soil health and crop productivity due to improper nutrition of crops.

Fiber quality: Addressing poor fiber quality may include implementing proper crop management practices, including selecting appropriate varieties, optimizing growing conditions, controlling pests and diseases, providing adequate nutrition, and proper Involves using harvesting and processing techniques. Consulting agricultural experts or extension services can also provide valuable guidance for improving fiber quality in crops.

Download Our App “SIS CONNECT” For Daily Updates. CLICK HERE

FOR MORE INFORMATION
CONTACT - +91 - 91119 77775

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES
CALL : 91119 77775
WEEKLY CHART 27.04.2024

ICE COTTON			
MONTH	19.04.24	26.04.24	WEEKLY CHANGE
JULY	81.02	80.90	-0.12
DEC	77.55	77.31	-0.24
MCX (COTTON)			
MAY	57900	58340	440
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1435	1445.5	10.5
NCDEX (COCUD KHAL)			
MAY	2560	2562	2
JUNE	2589	2585	-4
SMART INFO SERVICE	CALL : 91119 77775		
CURRENCY ($)			
INDIAN (Rupee)	83.47	83.37	-0.1
PAK (Pakistani Rupee)	278.541	278.579	0.038
CNY (Chinese yuan)	7.23965	7.24638	0.00673
BRAZIL (Real)	5.20297	5.11616	-0.08681
AUSTRALIAN Dollar	1.55826	1.53069	-0.02757
MALAYSIAN RINGGITS	4.78326	4.76797	-0.01529
COTLOOK "A" INDEX	87.35	87.80	0.45
BRAZIL COTTON INDEX	75.97	77.64	1.67
USDA SPOT RATE	72.77	72.65	-0.12
MCX SPOT RATE	57920	58240	320
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	20800	20300	-500
GOLD ($)	2406.75	2349.60	-57.15
SILVER ($)	28.747	27.380	-1.367
CRUDE ($)	83.25	83.66	0.41

This week, stability was observed in the cotton market.

Cotton prices for July and December on International Cotton Exchange fell by 0.12 and 0.24 cents respectively.

In the Indian market, an increase of Rs 440 was seen in the price of cotton on Multi Commodity Exchange (MCX) for the month of May.

On NCDEX, cotton prices increased by Rs 10.50 per 20 kg, while the price of cottonseed increased by Rs 2 in the month of May and declined by Rs 4 per quintal in the month of June.

If we look at the cotton market of other countries, an increase was seen in Cottonlook "A" index, USDA spot rate also fell by 0.12 cents, along with this, MCX spot price increased by Rs 320 per candy, while Brazil cotton index recorded an increase of 1.67 points.

Cotton arrival this week in major cotton producing states across the country

SMART INFO SERVICES
ALL INDIA COTTON WEEKLY ARRIVAL
CALL : 91119 77775

STATE	22.04.24	23.04.24	24.04.24	25.04.24	26.04.24	27.04.24
PUNJAB	100	100	100	100	100	100
HARYANA	1,000	1,000	1,000	1,000	800	800
UPPER RAJASTHAN	800	800	800	800	800	500
LOWER RAJASTHAN	500	500	500	500	500	400
NORTH ZONE	2,400	2,400	2,400	2,400	2,200	1,800
GUJRAT	11,000	800	9,000	10,000	8,000	8,000
MADHYA PRADESH	3,000	2,000	3,000	3,000	3,000	3,000
MAHARASHTRA	20,000	15,000	15,000	20,000	15,000	15,000
CENTRAL ZONE	34,000	17,800	27,000	33,000	26,000	26,000
KARNATAKA	2,000	1,000	1,000	1,500	1,500	1,500
ANDHRA PRADESH	800	800	800	800	700	600
TELANGANA	400	400	400	400	300	300
TAMILNADU	-	-	-	-	-	-
SOUTH ZONE	3,200	2,200	2,200	2,700	2,500	2,400
ODISHA	-	-	-	-	-	-
TOTAL	39,600	22,400	31,600	38,100	30,700	30,200
ARRIVAL IN 170 Kg.						

दादी-नानी का नुस्खा

अमृत धारा

रोग अनेक उपचार एक

हमारे पूर्वजों ने अपने अनुभवों से अनेक विलक्षण खोज की एवं उसे अपने जीवन में शामिल कर स्वस्थ जीवन को अपनाया। ऐसा ही एक अद्भूत सूत्र जो अमृत समान है वह है अमृत धारा। अमृत धारा के इस अमूल्य अनुभव को पुनः अपनाकर असीमित लाभ प्राप्त करें।

आयुर्वेद के अनुसार शरीर में रोग के 3 कारण होते हैं : वात, कफ और पित्त। यदि यह तीनों नियंत्रित हैं तो शरीर स्वस्थ। अमृत धारा के सेवन से ये तीनों नियंत्रित रहते हैं और अनेक रोग दूर होते हैं। अमृत धारा का उपयोग हर मौसम में हर आयु वर्ग में किया जाता है।

उपयोग

☞ मात्रा : 1 - 3 बूंद

☞ खुराक : दिन में 1 से 4 बार आवश्यकता अनुसार

☞ सामान्य पानी में : डिप्रेशन, सिरदर्द, माइग्रेन, बुखार, लू लगना, गर्मी चढ़ना, घबराहट, बेचैनी, अनिद्रा, सफर में उल्टी, माहवारी की समस्याऐं।

☞ गरम पानी में : खांसी, सर्दी, वजन घटाना (परहेज के साथ)

☞ मीठे पताशे या शक्कर में : पेटदर्द, उल्टी, दस्त, गैस, एसिडिटी, अपच

कृ.प.उ.

☞ हल्की मालिश करना (तेल में मिलाकर) : खाँसी, सर्दी, सिरदर्द, माईग्रेन, डेन्ड्रफ, जूँ, पेट दर्द, साईटिका, गठिया, जोड़ों का दर्द, चोंट, सूजन, कीड़े–मधुमक्खी काटना, हड्डी एवं मांसपेशियों का दर्द, मच्छर से बचाव।

☞ भाप लेना / सुंघना : खांसी, सर्दी, साईनस, छाती के रोग, अनिद्रा, स्वाईन फ्लू एवं अन्य फ्लू से बचाव।

☞ ब्रश करना : मुंह की बदबु व दांतों की सड़न दूर कर चमक लाता है।

उक्त सभी परीक्षित लाभ हैं, स्वस्थ आहार विहार के साथ आवश्यकता अनुसार स्वविवेक से लाभ लेवें। लाभ होने पर स्वयं निर्माण कर ही उपयोग करें एवं अन्य को भी लाभान्वित करें।

अमृतधारा के आसान उपयोग के लिये खाने के लिए शक्कर एवं लगाने के लिए तेल में मिलाकर हमेशा घर में रखें।

निर्माण सामग्री एवं विधि –

1. पोदीना (पीपरमेंट), 2. अजवाईन का फूल, 3. भीमसेनी कपूर तीनों सामग्री को बराबर मात्रा में कांच की शीशी में डालकर धूप में रख दें। एक दिन में यह मिश्रण स्वतः ही द्रव्य में परिवर्तित हो जायेगा। हो गया स्वस्थ रहने का अचूक नुस्खा तैयार।

अमृतधारा निःशुल्क प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें :

मोहन मोदी – 94253 – 53954

India's cotton exports to increase in 2023-24 season

India has witnessed a significant growth in cotton exports during the first six months of the 2023-24 season, with the figures increasing by 137% compared to the same period last year. According to the latest data from the Cotton Association of India (CAI), exports from October to March increased to 18 lakh bales from 7.59 lakh bales earlier. This growth can be largely attributed to competitive pricing in the Indian market relative to global rates.

Highlights of growth in India's cotton exports

Due to competitive pricing during the October-March period, Indian cotton prices were Rs 3,000-4,000 per candy lower than international prices, making it an attractive option for foreign buyers.

Global Price Trends According to the Cottonlook Index, international cotton prices have declined recently, making them at par or slightly above Indian prices. This adjustment may further affect the competitiveness of Indian cotton.

Export Estimates CAI estimates cotton exports to exceed 22 lakh bales for the 2023-24 season ending in September. Adjustments to this forecast will be considered during the National Crops Committee meeting in June, which will review recent shipment data and stakeholder input.

Demand dynamics and market movements

Strong Demand There continues to be strong demand for Indian cotton, especially from buyers in countries such as Bangladesh and Vietnam, who prefer Indian cotton due to its competitive pricing and fast delivery times.

Market Activity Major multinational companies such as Louis Dreyfus Company, Viterra and Olam have been active in the Indian market and are contributing to the dynamic business environment.

Price fluctuations Cotton futures, which peaked at 102 cents a pound on the Intercontinental Exchange (ICE) in March, have since fallen to about 80 cents. Correspondingly, domestic prices in India have fallen from ₹61,000 per candy to around ₹58,000.

Domestic Market and Supply Chain

Supply estimates The total cotton supply in
India by the end of March 2024 was estimated to be 297.03 lakh bales, which includes arrivals, imports and opening stocks in the market.

Increase in consumption Domestic consumption of cotton is increasing, with consumption by the end of March estimated at 165 lakh bales, up from 135.70 lakh bales in the previous month.

Stock and supply As of March 2024, the stock was estimated to be 114 lakh bales, of which 47 lakh bales were with textile mills and the remaining with various organizations including the Cotton Corporation of India.

Intent

The significant growth in India's cotton exports highlights the country's growing role in the global cotton market. The competitive pricing strategy has proven effective in attracting more international buyers. However, the synchronization of domestic prices with global rates may pose challenges in maintaining this growth path.

Furthermore, the discussions and possible adjustments expected at the June meeting of CAI will be important to decide the future strategy. As domestic consumption increases, it will be important to balance domestic needs with export demands. The performance of Indian cotton on the international stage will depend on sustained strategic pricing, quality improvement and effective supply chain management.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

- **Ginning units reduce operations due to shortage of cotton in Madhya Pradesh**

  Ginning units in Madhya Pradesh are currently running only 2 to 3 days a week as cotton arrivals have reduced towards the end of the season. This reduction in operating days and capacity, with only 5-10 per cent of operations in ginning units, is indicative of seasonal decline in the cotton industry. Despite this slowdown, there is steady demand from textile mills, which are mainly utilizing their existing stocks.

- **US cotton exports rise with notable gains in China and Vietnam: USDA**

  Upland's net export sales of U.S. cotton for 2023-24 totaled 177,100 RB (running bales, each weighing 226.8 kilograms or 500 pounds), up 21 percent from the previous week and 73 percent below the previous four-week average. Was more.

- **Cotton cultivation trend continues to decline in Khandesh**

  News from Khandesh indicates a possible decline in cotton cultivation for the second consecutive year, with the total cultivated area estimated at 8 lakh 30 thousand hectares. Jalgaon district is expected to maintain its lead in cotton cultivation within the state, with about five and a half lakh hectares of land devoted to cotton this year.

- **India's cotton exports increase by 137% to 18 lakh bales in October-March 2023-24 season**

  India's cotton exports have more than doubled in the first six months of the 2023-24 season starting October, as prices have become competitive for foreign buyers.

- **Government wants to boost export infrastructure**

  After setting a target of merchandise exports of $1 trillion by 2030, the commerce ministry has begun an exercise to identify and estimate the investments required for the country's export infrastructure, a senior official said on Thursday.

Cotton physical market witnessed a volatile environment.

This week, the cotton market witnessed a volatile environment.

There was stability in the state of Punjab in the North Zone, a decline of Rs 25 per maund was seen in the states of Haryana and Upper Rajasthan.

There was a rise of Rs 100 per candy in Madhya Pradesh of the Central Zone, while it remained stable in the states of Maharashtra and Gujarat.

There was a decline of Rs 500 per candy in the state of Odisha in the South Zone, while it remained stable in Andhra Pradesh and Telangana. Karnataka state saw an increase of Rs 300 per candy.

SMART INFO SERVICES
india.smartinfo@gmail.com
Call : 91119 77775

DATE: 27.04.2024

WEEKLY COTTON BALES MARKET

STATE	STAPLE LENGTH	22.04.24		27.04.24		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,825	5,850	5,825	5,850	0
HARYANA	27.5/28	5,750	5,750	5,725	5,725	-25
UPPER RAJASTHAN	28	5,550	5,850	5,500	5,825	-25
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	57,500	58,000	57,700	58,000	0
MADHYA PRADESH	29	57,800	58,200	58,000	58,300	100
MAHARASHTRA	29+ vid.	58,300	58,500	58,300	58,500	0
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5+	60,500	60,600	60,000	60,100	-500
KARNATAKA	29 mm	58,500	58,700	58,500	59,000	300
ANDHRA PRADESH	29	58,700	60,000	58,700	60,000	0
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	58,500	59,500	58,500	59,500	0

NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy